सीआइएमपी में दीक्षांत समारोह का किया गया आयोजन, बोले निदेशक

खुद के बेहतर वर्जन को प्रदर्शित करने की करें कोशिश

संवाददाता, पटना

सीआइएमपी के दीक्षांत समारोह में शनिवार को कुल 162 विद्यार्थियों को डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा इन मैनेजमेंट की डिग्री प्रदान की गयी. इसमें सत्र 2021-2023 के 64 और सत्र 2022-2024 के 97 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर ओवरऑल बेहतर प्रदर्शन करने वाले 2 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किया गया. इसमें सत्र 2021-2023 से आनंद शंकर को ऑल राउंडर, अमृता आनंद को बैच की टॉपर घोषित किया गया.

वहीं सत्र 2022-202 से पीयूष हर्ष को ऑल राउंडर और पूर्णिमा कुमारी को टॉपर का खिताब देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर सीआइएमपी के निदेशक प्रो डॉ राणा सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी अलग पहचान स्थापित करने और किसी भी समस्या से निबटने के लिये खुद के वर्जन को अपग्रेड करने के लिए तैयार रहना होगा.

सम्मान पाकर विद्यार्थियों के खिले चेहरे, शिक्षकों और अभिभावकों को दिया श्रेय

डॉ राणा ने कहा कि विद्यार्थी इस बात का ख्याल रखते हुए आगे बढ़ें कि उन्हें हमेशा अपने बेहतर वर्जन को प्रदर्शित करना है. उन्होंने कहा कि अब इंटेलिजेंस कोशेंट पर नहीं बल्कि टेक्नोलॉजी कोशेंट पर ध्यान देने की आवश्यकता है. विद्यार्थियों को समाज में बदलाव लाने वाले इनोवेटिव समाधान तैयार करने वाला मार्ग तैयार करने पर फोकस करना होगा. संस्थान की समन्वयक डॉ जीके मूर्ति कोठापल्ली ने कहा कि बड़े सपने देखें, क्योंकि आपकी सोच ही आपकी वास्तविकता बनाती है. समारोह के अंत में संस्थान के सहायक प्रो डॉ रंजीत तिवारी ने कहा कि संस्थान में सीखे गये मूल्यों और पाठों को याद रखें.

छात्रा को डिग्री प्रदान करते मुख्य अतिथि संजय किर्लोस्कर और डिग्री मिलने के बाद सेल्फी लेते स्टूडेंट्स.

इन छात्राओं को मिला गोल्ड मेडल

दो साल तक तारतम्य के साथ पढ़ाई करती रही और परीक्षा में भी बेहतर प्रदर्शन किया. यही वजह है कि मुझे आज यह सम्मान मिला है. मैं अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को देती हूं. फिलहाल मैं आइसीआइसीआइ बैंक में यूसी मैनेजर के रूप में कार्यरत हूं.

पूर्णिमा कुमारी

मैंने पढ़ाई में बेहतर करने के साथ ही कॉलेज की ओर से आयोजित की जाने वाली विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में भी बेहतर प्रदर्शन किया. यही वजह है कि मुझे आज यह सम्मान मिला. शिक्षकों और अभिभावकों के सपोर्ट के बिना यह संभव नहीं था.

अमृता आनंद

Prabhat Khabar ! Page.No-04 ! Dated:20-10-2024

CIMP के 13वें दीक्षा समारोह में 162 स्टूडेंट्स को मिलीं डिग्री

अमृता आनंद और पूर्णिमा कुमारी टॉपर का गोल्ड मेडल प्राप्त की

मुख्य अतिथि किर्लोस्कर ग्रुप के चेयरमैन संजय किर्लोस्कर ने विद्यार्थियों को बेहतर करने के लिए किया प्रोत्साहित

चार वर्षीय फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) की उपाधि प्राप्त करने वाली पहली छात्रा बनीं रंजनी कुमारी

patna@inext.co.in

PATNA (19 Oct): चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) में शनिवार को कैंपस स्थित आडिटोरियम में 13वें दीक्षा समारोह में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) कोर्स के सत्र 2021-23 के 64 व सत्र 2022-24 के 97 तथा फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) के पहले बैच के एक सहित 162 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई.

मुख्य अतिथि किर्लोस्कर ग्रुप के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक संजय किर्लोस्कर ने कहा कि नेतृत्व का मतलब भविष्य की सोच के साथ निर्णय लेना होता है. आपकी शिक्षा सिर्फ एक शुरुआत है, असल में सीखना तो जीवन भर का सफर है. छात्रों को जिज्ञासु बने रहने और बदलाव के लिए तैयार रहने की सलाह दी. उन्होंने कहा कि जिज्ञासा जीवित रही तो सफलता सुनिश्चित है. संजय किर्लोस्कर ने कहा कि बिहार संभावनाओं से भरा राज्य है. गौरवपूर्ण इतिहास के साथ-साथ यहां के लोगों में नेतृत्व की विलक्षण क्षमता होती है.

डिग्री मिलने के बाद खुशी का इजहार करतीं छात्राएं.

अमृता व पूर्णिमा बनीं बैच की टापर

पीजीडीएम सत्र 2021-2023 में आनंद शंकर तथा 2022-24 में पीयूष हर्ष को आलराउंडर सर्टिफिकेट दिया गया. क्रमशः दोनों बैच में अमृता आनंद और पूर्णिमा कुमारी टापर का गोल्ड मेडल प्राप्त की, फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट के पहले बैच 2018-22 की रंजनी कुमारी को निदेशक प्रो. राणा सिंह और संजय किर्लोस्कर ने सम्मानित किया. प्रो. राणा सिंह ने छात्रों को करियर में नैतिकता बनाए रखने की सीख दी. उन्होंने कहा कि नीति आयोग ने सीआइएमपी को राज्य के लीड नालेज इंस्टीट्यूट के रूप में चयनित किया है. उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि आप सिर्फ अपने इंटेलिजेंस कोशेंट (आइक्यू) पर नहीं, बल्कि टेक्नोलाजी कोशेंट (टीक्यू) पर भी ध्यान दें.

सोच ही रचती वास्तविकता

सीआइएमपी के पीजीपी समन्वयक प्रो. जीके मूर्ति कोठापल्ली ने कहा कि असल संघर्ष पढ़ाई पूरी करने के बाद प्रारंभ होता है. उन्होंने छात्रों को बड़े सपने देखने की सलाह दी. कहा, आपकी सोच ही वास्तविकता बनाती है. ऊंचे लक्ष्यों को निर्धारित करें और मेहनत से आगे बढ़ें. प्रो. रंजना तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित की. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कुमोद कुमार ने कहा कि असली सफलता उस बदलाव में है जो आप लाते हैं. मौके पर सीनियर प्रशासनिक अधिकारी विवेक कश्यप, नाबार्ड के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक सुनील कुमार, इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड के पूर्व कार्यकारी निदेशक (सेवानिवृत्त) विभाष कुमार आदि मौजूद थे.

I-Next ! Page.No- 2 ! Dated:20-10-2024

161 scholars get degrees at CIMP's 13th convocation

B K Mishra | TNN

Patna: As many as 161 scholars of Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP), who successfully completed the postgraduate diploma management course in 2021-23 and 2022-24 sessions, were awarded their degrees at the institute's 13th convocation organised here on Saturday.

Amrita Anand and Anand Shankar of 2021-23 batch, and Purnima Kumari and Piyush Harsh of 2022-24 batch were awarded gold medals for their outstanding performance and securing top positions in the list of successful candidates.

Giving away gold medals and degrees to the successful scholars, the chairman-cum-managing director of Kirloskar Brothers Ltd, and chief guest Sanjay C Kirloskar said, "Hard work, honesty and faith are must for a successful business. Work always earns respect and you should work hard to achieve success in life."

Pramod Sharma

Scholars with their medals and citations

He said, "Leadership is about making forward-thinking decisions. Your education is just the start of a lifelong learning journey." He also encouraged graduates to remain curious about the new ideas and ready to adapt ongoing changes.

Speaking in depth about solution driven ideas for society, he said all business endeavours must be transparent and taken forward with commitment and honesty.

Times of India ! Page.No-03 ! Dated:20-10-2024

Sanjay Kirloskar, Chairman cum MD, Kirloskar Brothers Limited graces CIMP's 13th convocation, 162 students conferred with Diplomas

OUR CORRESPONDENT

PATNA: Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP) held its 13th Convocation here on Saturday. A total of 162 students were conferred degrees 64 from Post Graduate Diploma in Management (PGDM) batch of 2021-2023, 97 from 2022-2024 batch, and one from the first batch of Fellow Programme in Management (FPM).

Sanjay Kirloskar, Chairman cum Managing Director, Kirloskar Brothers Limited, served as the event's Chief Guest. Addressing the students, he said, "Leadership is about making forward-thinking decisions. Your education is just the start of a lifelong learning journey." He encouraged graduates to remain curious and open to change.

In his welcome address, Prof. (Dr.) Rana Singh, Director of CIMP, urged the graduates to uphold moral integrity in their careers. He also highlighted CIMP's recent achievements, such as being selected as the state's lead knowledge institute

The event concluded with a vote of thanks by Prof. (Dr.) Ranjit Tiwari, Assistant Professor. He said, "Remember the values and lessons you have learned here.

Kumod Kumar, Chief Administrative Officer, said, "As you leave CIMP, remember that true success lies in the impact you create."

Morning India ! Page.NO-03 ! Dated:20-10-2024

सीखने की ललक हमेशा बनाएं रखें छात्र : संजय किर्लोस्कर

दीक्षांत समारोह

- 162 विद्यार्थियों को डिग्री मिली, ओवरऑल बेहतर प्रदर्शन करने वाले चार को गोल्ड मेडल मिला
- छात्रों को जिज्ञासु बने रहने और बदलाव के लिये तैयार रहने की सलाह दी

चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान के दीक्षांत समारोह में छात्रों को सम्मानित करते संजय किर्लोस्कर और निदेशक राणा सिंह। • हिन्दुस्तान

पटना, वरीय संवाददाता। चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान (सीआईएमपी) का शनिवार को 13वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि किर्लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक संजय किर्लोस्कर ने कहा कि छात्रों को भविष्य में बेहतर करने की सोच के साथ कोई भी निर्णय लेना चाहिए। आपकी शिक्षा केवल एक शुरुआत है लेकिन सीखने की ललक हमेशा बरकरार रखनी होगी। इसके साथ ही संजय किर्लोस्कर ने छात्रों को जिज्ञासु बने रहने और बदलाव के लिये तैयार रहने की सलाह दी। सीआईएमपी के निदेशक प्रो. डॉ. राणा सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा हासिल करने के साथ ही अपने कॅरियर में नैतिकता को बनाये रखने के लिये सजग रहने की आवश्यकता है। उन्होंने संस्थान की उपलब्धियों की चर्चा करते हुये कहा कि नीति आयोग द्वारा राज्य के लीड नॉलेज इंस्टीट्यूट के रूप में चयनित करना हमारे लिये गर्व की बात है। इसके अलावा संस्थान को पूर्वी क्षेत्र में छठा स्थान और देश के सरकारी बिजनेस स्कूलों में 31वां स्थान दिया गया है। दीक्षांत समारोह में कुल 162 विद्यार्थियों को डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा इन मैनेजमेंट की डिग्री प्रदान की गई। इसमें सत्र 2021-2023 के 64 और सत्र 2022-2024 के 97 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर ओवरऑल बेहतर प्रदर्शन करने वाले चार विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। इसमें सत्र 2021-2023 से आनंद शंकर को ऑल राउंडर, अमृता आनंद को बैच की टॉपर घोषित किया गया। वहीं सत्र 2022-202 से पीयूष हर्ष को ऑल राउंडर और पूर्णिमा कुमारी को टॉपर का खिताब देकर सम्मानित किया गया।

नई तकनीक और वैश्विक बदलाव पर ध्यान करें केंद्रित : सीआईएमपी के निदेशक प्रो. डॉ राणा सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी अलग पहचान स्थापित करने और किसी भी समस्या से निपटने के लिये खुद को वर्जन को अपग्रेड करने के लिये तैयार रहना होगा। वहीं संस्थान की समन्वयक डॉ. जीके मूर्ति कोठापल्ली ने कहा कि हमेशा बड़े सपने देखें क्योंकि आपकी सोच ही आपकी वास्तविकता बनाती है।

सम्मान पाकर विद्यार्थियों के खिले चेहरे

दो साल मन लगाकर पढ़ाई की। परीक्षा में भी बेहतर प्रदर्शन किया। यही वजह है कि मुझे आज यह सम्मान मिला है। मैं अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को देती हूं। मैं आईसीआईसीआई बैंक में यूसी मैनेजर के रूप में कार्यरत हूं।

-पूर्णिमा कुमारी

मैंने पढ़ाई में बेहतर करने के साथ ही कॉलेज की ओर से आयोजित की जाने वाली विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में भी बेहतर प्रदर्शन किया। यही वजह है कि मुझे आज यह सम्मान मिला। शिक्षकों और अभिभावकों की मदद के बिना यह संभव नहीं था

- अमृता आनंद

Hindustan ! Page.No-10 ! Dated:20-10-2024

जिज्ञासा जीवित रही तो सुनिश्चित है जीवन में सफलता

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट पटना के 13वें दीक्षा समारोह में दो सत्र के 162 विद्यार्थियों को मिली उपाधि

- संजय किर्लोस्कर ने विद्यार्थियों को बेहतर करने को किया प्रोत्साहित
- फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट करने वाली पहली छात्रा बनीं रंजनी

दीक्षा समारोह में मुख्य अतिथि संजय किर्लोस्कर व निदेशक प्रो. राणा सिंह से फेलोप्रोग्राम इन मैनेजमेंट की उपाधि प्राप्त करतीं रंजनी कुमारी● जागरण

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान में आयोजित दीक्षा समारोह में सम्मानित छात्र -छात्राएं● जागरण

जागरण संवाददाता, पटना : चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) में शनिवार को कैंपस स्थित आडिटोरियम में 13वें दीक्षा समारोह में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) कोर्स के सत्र 2021-23 के 64 व सत्र 2022-24 के 97 तथा फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) के पहले बैच के एक सहित 162 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। मुख्य अतिथि किर्लोस्कर ग्रुप के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक संजय किर्लोस्कर ने कहा कि नेतृत्व का मतलब भविष्य की सोच के साथ निर्णय लेना होता है।

आपकी शिक्षा सिर्फ एक शुरुआत है, असल में सीखना तो जीवन भर का सफर है। छात्रों को जिज्ञासु बने रहने और बदलाव के लिए तैयार रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जिज्ञासा जीवित रही तो सफलता सुनिश्चित है। संजय किर्लोस्कर ने कहा कि बिहार संभावनाओं से भरा राज्य है। गौरवपूर्ण इतिहास के साथ-साथ यहां के लोगों में नेतृत्व की विलक्षण क्षमता होती है।

अमृता व पूर्णिमा बनीं अपने-अपने बैच की टापर : पीजीडीएम सत्र 2021-2023 में आनंद शंकर तथा 2022-24 में पीयूष हर्ष को आलराउंडर सर्टिफिकेट दिया गया। क्रमशः दोनों बैच में अमृता आनंद और पूर्णिमा कुमारी टापर का गोल्ड मेडल प्राप्त की। फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट के पहले बैच 2018-22 की रंजनी कुमारी को निदेशक प्रो. राणा सिंह और संजय किर्लोस्कर ने सम्मानित किया। प्रो. राणा सिंह ने छात्रों को करियर में नैतिकता बनाए रखने की सीख दी। उन्होंने कहा कि नीति आयोग ने सीआइएमपी को राज्य के लीड नालेज इंस्टीट्यूट के रूप में चयनित किया है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि आप सिर्फ अपने इंटेलिजेंस कोशेंट (आइक्यू) पर नहीं, बल्कि टेक्नोलाजी कोशेंट (टीक्यू) पर भी ध्यान दें।

सोच ही रचती वास्तविकता : सीआइएमपी के पीजीपी समन्वयक प्रो. जीके मूर्ति कोठापल्ली ने कहा कि असल संघर्ष पढ़ाई पूरी करने के बाद प्रारंभ होता है। उन्होंने छात्रों को बड़े सपने देखने की सलाह दी।

कहा, आपकी सोच ही वास्तविकता बनाती है। ऊंचे लक्ष्यों को निर्धारित करें और मेहनत से आगे बढ़ें। प्रो. रंजना तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित कीं। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कुमोद कुमार ने कहा कि असली सफलता उस बदलाव में है जो आप लाते हैं। मौके पर सीनियर प्रशासनिक अधिकारी विवेक कश्यप, नाबार्ड के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक सुनील कुमार, इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड के पूर्व कार्यकारी निदेशक (सेवानिवृत्त) विभाष कुमार आदि मौजूद थे।

Dainik Jagran ! Page.No-04 ! Dated:20-10-2024

सीआईएमपी का 13वां दीक्षांत समारोह

162 छात्रों को मिली डिप्लोमा डिग्री

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना ने शनिवार को अपने ऑडिटोरियम में 13वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया। इस दौरान कुल 162 छात्रों को डिप्लोमा प्रदान किए गए, जिसमें 2021-2023 के पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) बैच से 64, 2022-2024 बैच से 97, और फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) के पहले बैच से 1 छात्र शामिल थे। समारोह के मुख्य अतिथि, किर्लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, संजय किर्लोस्कर ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, नेतृत्व का मतलब होता है भविष्य की सोच के साथ फैसले लेना। आपकी शिक्षा सिर्फ एक शुरुआत है, असल में सीखना तो जीवन भर का सफर है। उन्होंने छात्रों को जिज्ञासु बने रहने और बदलाव के लिए तैयार रहने की सलाह दी। इस अवसर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित भी किया गया। 2021-2023 बैच से आनंद शंकर को ऑल-राउंडर सर्टिफिकेट से नवाज़ा गया, जबकि अमृता आनंद को बैच की टॉपर घोषित किया गया। 2022-2024 बैच से पीयूष हर्ष को ऑल-राउंडर सर्टिफिकेट और पूर्णिमा कुमारी को बैच की टॉपर का खिताब मिला। अपने स्वागत भाषण में, सीआईएमपी के निदेशक प्रो. (डॉ.) राणा सिंह ने छात्रों से अपने करियर में नैतिकता बनाए रखने की सीख दी। उन्होंने सीआईएमपी की हाल की उपलब्धियों को भी उजागर किया। डॉ. सिंह ने समस्याओं के समाधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसमें तकनीक, स्थिरता और वैश्विक विकास पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है। उन्होंने कहा, अब समय आ गया है कि आप सिर्फ अपने इंटेलिजेंस कोशेंट (इक्त) पर नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी कोशेंट (इक्त) पर भी ध्यान दें। आपको समाज में बदलाव लाने वाले इनोवेटिव समाधान तैयार करने वाले पथ-प्रदर्शक बनना होगा। गुणवत्ता, उत्पादकता और स्थिरता आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि यही तत्व हमारे महान देश को और महान बनाएंगे। समारोह का समापन प्रो. (डॉ.) रंजीत तिवारी, सहायक प्रोफेसर, सीआईएमपी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने कहा, यहां सीखी गई मूल्यों और पाठों को याद रखें। अपने लक्ष्यों को जुनून, ईमानदारी और दुनिया में सार्थक बदलाव लाने की प्रतिबद्धता के साथ पूरा करें। सीआईएमपी के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कुमोद कुमार ने कहा, जब आप सीआईएमपी से बाहर जाएं, तो याद रखें कि असली सफलता उस बदलाव में है जो आप लाते हैं। ऐसे व्यक्ति बनें जो चुनौतियों को विकास के नए अवसर के रूप में देखें।

AAJ ! Page.No-06 ! Dated:20-10-2024